Baba’s Praise

10/8/2015

- सुप्रीम आत्मा जिसको बाबा कहते हैं वह भी कहते हैं, तो बच्चे भी कहते हैं।
- बाप है भी गरीब निवाज़। इस समय भारत बिल्कुल गरीब है। बच्चे जानते हैं हम बिल्कुल साहूकार थे।
- तुम जानते हो यह है श्री श्री, उनकी मत भी श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ है।
- बाप भी दाता है, वह सब कुछ देते हैं। बच्चों को विश्व का मालिक बनाते हैं।
- बाबा कहते हैं तुम काम चिता पर बैठ कब्रिस्तानी बन पड़े हो। फिर तुमको परिस्तानी बनाते हैं।

- अभी तुम आये हो खिवैया अथवा बागवान के पास।
- बच्चे जानते हैं शिवबाबा, भगवान हमको पढ़ाते हैं। उनके हम स्टूडेण्ट हैं। वह बाप भी है, टीचर भी है, तो पढ़ना भी अच्छी रीति चाहिए।
- बेहद की जीत पाने के लिए पुरूषार्थ करना है। कराने वाला बाप समर्थ है। वह है सर्वशक्तिमान्।
- बाप कहते हैं मैं फिर आता हूँ एक धर्म की स्थापना करने, बाकी सब धर्मों का विनाश हो जाता है।

- अब वह हद की बातें छोड़ बेहद में लग जाना है। खिवैया आया है। आखिर वह दिन आया तो है ना। पुकार की सुनवाई होती है ऊंच ते ऊंच बाप के पास।
- सद्गति ज्ञान से ही होती है। सर्व का सद्गति दाता ज्ञान-सागर बाप ही है।
- आखरीन वह दिन आया जो बाप आया है पढ़ाने। वही पतित-पावन है। तो ऐसे बाप की श्रीमत पर चलना चाहिए ना।
- कोई एक भी वापिस जा न सके। पहले तो सुप्रीम बाप को जाना चाहिए। शिव की बरात कहते हैं ना।

- बाप बैठ समझाते हैं-राइट क्या है, रांग क्या है ।
- बुलाते भी हैं - हे भगवान आकर हमको भक्ति का फल दो। भक्ति फल नहीं देती। फल भगवान देता है। भक्तों को देवता बनाते हैं।